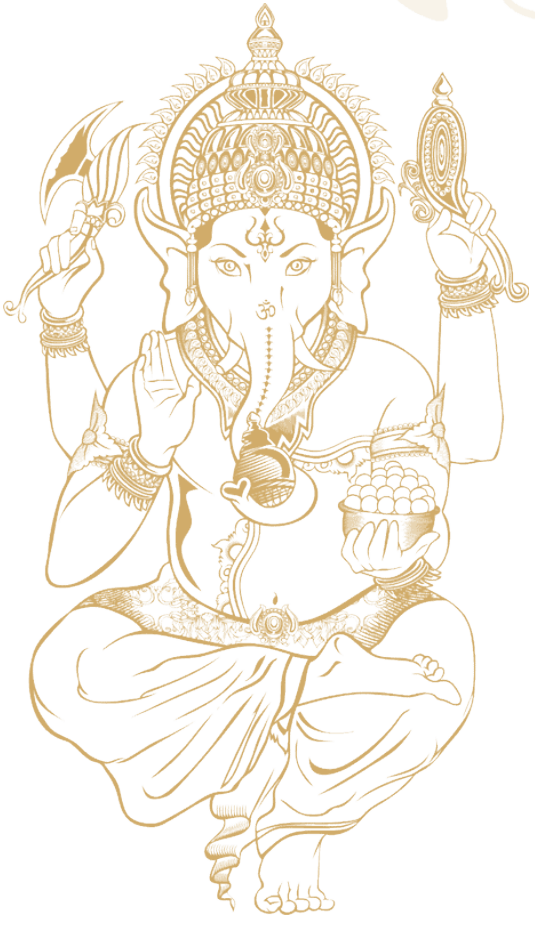

Shiv kumar mishra

Biyuti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120841803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	30/11/1997
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	13:10:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	16:39:57 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Basti
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:48:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	82:44:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	06:30:01
18:11:09	सूर्यास्त	17:05:26
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	मीन	01:55:16	बुध 16वर्ष 6मा 22दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	वृश्चि	14:18:26	शुक्र
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	वृश्चि	17:00:39	23/06/2021
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	धनु	22:13:52	23/06/2041
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	धनु	05:44:49	शुक्र 22/10/2024
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	मक	22:37:10	सूर्य 23/10/2025
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	धनु	28:37:15	चन्द्र 23/06/2027
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि व	मीन	19:56:34	मंगल 22/08/2028
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	सिंह	22:05:11	राहु 23/08/2031
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	कुंभ	22:05:11	गुरु 23/04/2034
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष	मक	11:49:15	शनि 23/06/2037
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप	मक	04:05:32	बुध 23/04/2040
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	11:44:52	केतु 23/06/2041

लग्न-चलित

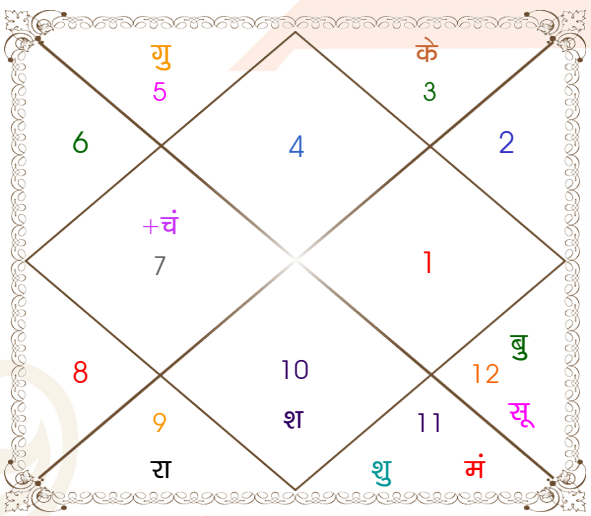

लग्न-चलित

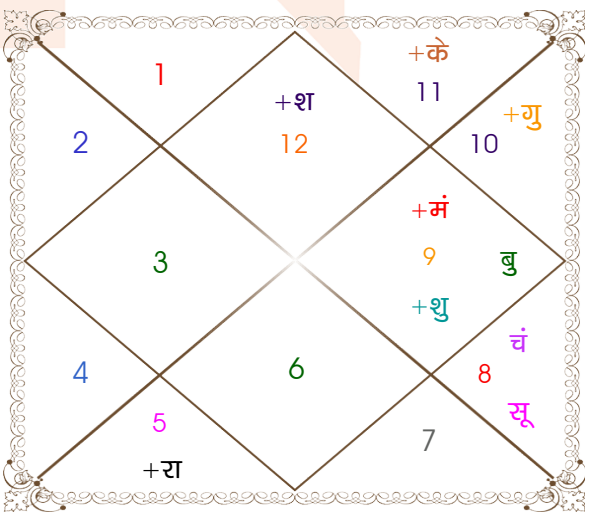

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ौपअ ानउंत उपेीतं का वर्ग सर्प है तथा ठपलनजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअ ानउंत उपेीतं और ठपलनजप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअ ानउंत उपेीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगलौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ठपलनजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ठपलनजप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

ौपअ ानउंत उपेीतं तथा ठपलनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।